>Title: Need to safeguard the interests of employees of Cement Corporation of India particularly at 'Nayagaon' in Madhya Pradesh.

डॉ.लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर) : महोदय, सीमेंट कार्पोरेशन आफ इंडिया की विभिन्न इकाइयों के निरंतर घाटे में चलने के कारण कतिपय इकाइयों को निजी क्षेत्र में देने या बेचने के सरकार के निश्चय के फलस्वरूप कुछ ऐसी इकाइयों को भी बेचने का प्रयास है जो लाभप्रद स्थिति में थीं, किन्तु उनके कुप्रबन्ध के कारण वे अलाभकर होती चली गईं और फलतः उन्हें बेचने का निर्णय हुआ है। ऐसी इकाइयों में मध्य प्रदेश के नीमच जिले की " नयागांव " की इकाइयां भी हैं। िवगत वर्षों में श्रमिकों द्वारा निरन्त मांग की जाती रही है कि वे इन सीमेंट इकाइयों को लाभप्रद स्थिति में ला सकते हैं। आज श्रमिकों का पर्याप्त वेतन बाकी है। सैकड़ों परिवारों के बालकों का भविय अन्धकारमय है क्योंकि वहां पर केन्द्रीय विद्यालय को बन्द करने का फैसला किया गया है। बिजली व पानी के अभाव में मजदूर परेशान हैं। अतः मेरा भारी उद्योग मंत्री से आग्रह है कि वे इस बारे में गंभीरता से विचार करें और किसी भी ऐसे निर्णय को शीघ्र क्रियान्वित करें जिससे सैकड़ों मजदूरों और उनके आश्रित परिवारों को दर-दर की ठोकरें खाने को बाध्य न होना पड़े।